EDII

Amar Ujala (Hindi)

October 16, 2023
Page No. 2

किसान ने बताया पर्यावरण प्रदूषण से बचाव का तरीका

राज्यपाल ने सराहा, एकेटीयू के स्टार्टअप संवाद 2.0 में युवाओं के नवाचारों ने लुभाया

अमर उजाला ब्यूरो

उत्कृष्ट नवाचारों को किया गया सम्मानित

लखनऊ। एकेटीयू में हुए स्टार्टअप संवाद 2.0 के तहत रविवार को लगी प्रदर्शनी में मिर्जापुर के किसान सुभाष चंद्र सिंह ने सभी को अपने नवाचार से आकर्षित किया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रदर्शनी को देखकर न सिर्फ नवाचार को सराहा, बल्कि निजी बैंक के प्रतिनिधियों को स्थलीय निरीक्षण कर नवाचार को आगे बढ़ाने में सहयोग के निर्देश दिए। इस दौरान उत्कृष्ट नवाचारों को सम्मानित किया गया।

एकेटीयू में रविवार को लगी प्रदर्शनी में जानकारी लेतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। -संवाद

10वीं तक पढ़ाई करने के बाद सुभाष हिंडालको रेनूकूट में एल्यूमीनियम बनाने का काम करते थे। वहीं से उन्हें यह विचार आया और उन्होंने ईंट-भट्ठे से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए नवाचार किया। उन्होंने फायर ब्रिक्स से एक सवा दो फीट लंबी-चौड़ी और तीन फीट ऊंचा आकार बनाया। इसमें चार हीटर लगाकर चार घंटे में लगभग 100 ईंट पकाने का काम किया। इसकी कुल लागत लगभग 15 हजार रुपये आई है। खास यह कि इसे सोलर से भी संचालित किया जा सकता है। इस काम में उनकी बेटियों अमृता सिंह व अंजली ने भी सहयोग किया। सुभाष ने अपने नवाचार का आईआईटी बीएचयू के सहयोग से पेटेंट भी करा लिया है। अब राज्यपाल के निर्देश से उन्हें उम्मीद जगी है कि यह जल्द आकार लेगा। कार्यक्रम में इनके इनोवेशन को सम्मानित किया गया।

आई बैटरी देगी रोजगार को गति

नोएडा के डॉ. पुनीत मोहन ने आम लोगों व ई-रिक्शा चालकों की दिक्कत को देखते हुए आई बैटरी की सर्विस शुरू की है। इसमें वे 10 हजार की कीमत वाली बैटरी 2000 रुपये के डाउनपेमेंट पर देते हैं। संबंधित व्यक्ति इसका प्रयोग करते हुए हर माह 500 रुपये किस्त देगा और एक साल में वह इसका मालिक बन जाएगा। इससे कम पैसे में उसके रोजगार को गति मिलेगी। अगर कोई इस बैटरी को दोबारा डॉ. पुनीत को वापस करेगा तो वह 20 फीसदी राशि भी वापस करेंगे और इसका वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करेंगे। यह बैटरी 12 वोल्ट की 100 एम्पियर की है।

ड्रोन कर रहा सर्वे और दवाओं का छिड़काव

लखनऊ के शिवांशु द्विवेदी ने गांव के लोगों को ध्यान में रखकर ड्रोन बनाया है। इस ड्रोन तकनीक से राज्य सरकार सीतापुर में जमीनों का सर्वे करा रही है। इससे जहां जमीन की सही जानकारी मिल रही है, वहीं गड़बड़ी की संभावना भी कम है। शिवांशु ने बताया कि उन्होंने ड्रोन से दवाओं के छिड़काव की भी सुविधा दी है। खास यह कि फार्मर प्रोड्यूशर आर्गनाइजेशन (एफपीओ) को एग्रीकल्चर ड्रोन के लिए 60 फीसदी की सब्सिडी मिल रही है। शिवांशु को मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी से 25 लाख का सहयोग भी मिला है।

दुर्घटना से सबक लेकर शुरू किया स्टार्टअप

सड़क हादसों में हर साल न जाने कितने लोगों की जान चली जाती है। दो साल पहले रामपुर की पल्लवी गंगवार के चाचा भी सड़क दुर्घटना के शिकार हो गए। सिर पर गंभीर चोट लगने के बाद उन्हें बचाया नहीं जा सका। इससे सबक लेकर पल्लवी ने सड़क सुरक्षा के लिए आईआर सेंसर विकसित किया, ताकि कोई और दुर्घटना में शिकार न हो। आई सेंसर सामने से किसी गाड़ी के आते ही अलार्म देगा और साथरन बज उठेगा। सामने वाली गाड़ी से 100 मीटर पहले ही रेड लाइट भी जल जाएगी।

दिव्यांगों को मल्टी काउंसलर व्हीलचेयर से मिलेगी मदद

कोई व्यक्ति पैर या हाथ से दिव्यांग हो तो उसे आने-जाने में काफी परेशानी होती है। ऐसे लोगों की मदद के लिए सर्व शिशु मंदिर विद्यालय गोरखपुर के अभिषेक चौधरी ने मल्टी काउंसलर व्हीलचेयर बनाई है। इसमें सेंसर लगाया गया है। इसको हेलमेट के माध्यम से भी कंट्रोल किया जा सकेगा। हेलमेट में सेंसर लगा होगा, इससे वह व्हीलचेयर दाएं-बाएं घूमेगी और कोई भी दीवार या व्यक्ति सामने आने पर एक अलर्ट देगी। अभिषेक ने बताया कि इसका ट्रायल चल रहा है, जल्द ही यह बाजार में आएगी।

ऑटो ब्लड स्कैनर करेगा खून की जांच

किसी अस्पताल में खून की जांच के लिए अब घंटों इंतजार नहीं करना होगा। इसके लिए एमडीयूएस नोएडा के अमित मलिक ने ऑटो ब्लड स्कैनर मशीन बनाई है। इससे खून की जांच में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस मशीन से एक बार में 24 सैंपल की जांच की जा सकेगी। इसमें समय भी कम लगेगा। अभी इसका ट्रायल चल रहा है। अगले महीने तक यह प्रयोग में आ जाएगी। इससे अस्पतालों का बोझ कम किया जा सकेगा।

डिजिटल प्लांट्स से होगी पेड़ों की देखभाल

प्रदूषण से बचने के लिए हर किसी का जोर पौधरोपण पर है। लेकिन अक्सर पौधों की देखभाल नहीं हो पाती है। अब डिजिटल प्लांट्स इसमें मदद करेगा। एआईटीएच संस्थान कानपुर की हिमांशी ने इसके लिए एक सेंसर तकनीक विकसित की है। इसे पौधे में लगा देंगे, इससे पौधे में कम होते पानी आदि की जानकारी समय से मिल सकेगी। इससे पौधे की देखभाल हो सकेगी और वह तेजी से बढ़ सकेगा।

एक प्लास्टिक के तीन प्रयोग, प्रदूषण भी नहीं

मथुरा के सगे भाइयों अंशुल व हार्दिक अग्रवाल ने तेजी से बढ़ रही प्लास्टिक की समस्या का समाधान खोजा है। इन्होंने मथुरा में प्लास्टिक रिसाइकल का प्लांट लगाया है। इसे वे हाई वैल्यू, डिफिकल्ट प्लास्टिक टू रिसाइकल व जीरो वैल्यू में बांटते हैं। हाई वैल्यू प्लास्टिक को दाने के रूप में बनाते हैं, जिसका प्रयोग कर मग, बाल्टी आदि बनाया जाता है। रिसाइकल प्लास्टिक से वे लंबर बनाते हैं, जिसका प्रयोग गमले, डेकोरेशन, प्ले हाउस आदि में होता है। वहीं जीरो वैल्यू में वह प्लास्टिक को गर्म कर उसे गैस में कंडेंस करके तेल बनाते हैं। इसका प्रयोग थर्मल पावर में लकड़ी व कोयले की जगह जलाने में किया जा सकता है। अंशुल ने कहा कि इसे और बेहतर करके डीजल, पेट्रोल व एविएशन फ्यूल बनया जा सकता है।

ड्रिप अलॉर्म देगा खत्म होने की जानकारी

अक्सर अस्पताल में भर्ती मरीज को ग्लूकोज चढ़ानी पड़ती है। कई बार ऐसा होता है कि ड्रिप खत्म हो जाती है, लेकिन इसकी जानकारी नहीं हो पाती है। इस समस्या को देखते हुए झांसी के अनुज विश्वकर्मा ने ड्रिप कॉल अलार्म सिस्टम विकसित किया है। इसमें लगे सेंसर से ड्रिप खत्म होने की स्थिति में अलॉर्म बजने लगेगा। इससे परिजन व नर्स को जानकारी हो सकेगी और समय से ड्रिप को बदला जा सकेगा। इस प्रोजेक्ट का ट्रायल चल रहा है, जल्द ही इसे बाजार में उतारा जाएगा। राज्यपाल ने भी इसकी सराहना की।

शादी कार्ड की जगह पौधा देने की हो पहल

पर्यावरण की रक्षा के लिए लखनऊ के विकास को नवाचार भी आकर्षक रहा। विकास ने बताया कि पेड़ से कागज बनाया जाता है, एक बार प्रयोग होने के बाद उसे फेंक दिया जाता है, जो पर्यावरण के लिए हानिकारक है। इससे बचने के लिए उन्होंने पहल की है, इसमें वे शादी के कार्ड की जगह पौधे देने के लिए लोगों को प्रेरित करते हैं। खास यह कि इसमें बार कोड लगाया गया है, इसे स्कैन करने पर शादी के कार्यक्रम की पूरी जानकारी मिल जाती है। शुभकामनाएं नामक संस्थान के माध्यम से वे लोगों को पर्यावरण संरक्षण के इस नवाचार के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

विवि ग्रामीण महिलाओं को ड्रोन चलाना सिखाएं

स्टार्टअप संवाद 2.0 में राज्यपाल ने किया आह्वान, विजेताओं को किया सम्मानित

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। एकेटीयू में रविवार को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. कलाम की जयंती इनोवेशन डे के रूम में मनाई गई। इस मौके पर आयोजित स्टार्टअप संवाद 2.0 में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि प्रदेश के विश्वविद्यालय गांवों में महिलाओं को ड्रोन चलाने की ट्रेनिंग दें। क्योंकि केंद्र सरकार स्वयं सहायता समूह की एक लाख महिलाओं को ड्रोन देंगी। विवि ने जिन गांवों को गोद लिया है वहां की महिलाओं को वह प्रशिक्षण दे।

उन्होंने कहा कि शिक्षक छात्रों की प्रतिभा पहचान कर उनको निखारने का काम करें। कहा, तकनीक का दुरुपयोग को रोकना होगा। उन्होंने स्टार्टअप प्रदर्शनी के विजेताओं को नगद पुरस्कार राशि देकर सम्मानित भी किया। इससे पहले सुबह मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और युवाओं को स्टार्टअप से सपने सच करने को प्रेरित किया। कार्यक्रम में ईडीआईआई गुजरात के महानिदेशक डॉ. सुशील शुक्ला, कुलपति प्रो. जेपी पांडेय, अपर मुख्य सचिव एमएसएमई अमित मोहन प्रसाद, यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन की प्रबंध निदेशक नेहा जैन आदि उपस्थित थे।

आई हब गुजरात समेत सात के साथ एमओयू

कार्यक्रम में स्टार्टअप को आगे बढ़ाने और मेंटॉरशिप के लिए आई हब गुजरात, काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी, यश बैंक, वी फाउंडर सर्किल, वाधवानी फाउंडेशन, हेडस्टार, रोमिंग सेल्स प्राइवेट लिमिटेड, कॉगनिफी वेंचर्स और इनोवेशन हब के बीच एमओयू हुआ। एमओयू एकैटीयू के वित्त अधिकारी सुशील कुमार गुप्ता ने किया।

इन्होंने जीता पुरस्कार

ग्रास रूट स्टार्टअप में राजकुमार मिश्रा को कबाड़ में रखी बोलेरो पर धान कूटने की मशीन के लिए एक लाख रुपये का पुरस्कार मिला। पहला रनरअप प्रिंस कुमार को धान से घास निकालने की मशीन के लिए 75 हजार रुपये, दूसरा रनरअप रोहित कुमार को मॉडिफाइड बायोगैस मशीन के लिए 50 हजार रुपये, आर्यन प्रसाद को गोभी काटने की मशीन के लिए 25 हजार व सुभाष चंद्र सिंह को सोलर चालित मशीन के लिए 25 हजार रुपये। स्टार्टअप में प्लांटेक इनोवेशन को एक लाख रुपये, पहला रनरअप गितांशी इंटर प्राइजेज को 75 हजार का और दूसरे रनरअप को नेक्सटअप रोबोटिक्स प्राइवेट लिमिटेड को 50 हजार रुपये बतौर पुरस्कार दिए गए।